उप्र को बनाएंगे टेक्सटाइल का वैश्विक केंद्र : योगी

मुख्यमंत्री ने किया दो दिवसीय यूपी टेक्सटाइल कान्क्लेव-2026 का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विरासत, हुनर व युवा शक्ति यूपी की सबसे बड़ी ताकत है। यूपी का मतलब 'अल्टीमेट पोटेंशियल' है। उत्तर प्रदेश के पास मानव संसाधन, उद्योग, उद्यमिता और देश का सबसे बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे ज्यादा युवा कार्यबल के दम पर उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल का वैश्विक केंद्र बनाना है। हमारा लक्ष्य प्रदेश में फाइबर से यार्न, यार्न से फैब्रिक, फैब्रिक से गारमेंट और गारमेंट से वैश्विक बाजार तक पूरी वैल्यू चेन विकसित करना है।

मुख्यमंत्री मंगलवार से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुरू हुए दो दिवसीय यूपी टेक्सटाइल्स कान्क्लेव-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने यूपी टेक मित्र पोर्टल, हथकरघा बुनकर समृद्धि व उत्तर प्रदेश वस्त्र क्षेत्र प्रशिक्षण एवं कौशल विकास योजना का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में वस्त्र उद्योग के क्षेत्र में 5196 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किए गए। साथ ही, उन्होंने 163 करोड़ रुपये के निवेश को लेकर लेटर आफ कम्फर्ट (एलओसी) और 60 करोड़ रुपये की सब्सिडी का वितरण किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के वस्त्र उद्योग की पहचान हजारों वर्षों पुरानी है। वैदिक साहित्य से लेकर रामायण और महाभारत तक में काशी के रेशमी वस्त्रों का उल्लेख मिलता है। वाराणसी की सिल्क साड़ी, भदोही का कारपेट व लखनऊ की चिकनकारी प्रदेश की विरासत और औद्योगिक क्षमता का प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में दो लाख हैंडलूम और पांच लाख से अधिक पावरलूम बुनकर वस्त्र उद्योग की असली ताकत हैं। कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार का सृजन वस्त्र उद्योग करता है। उत्तर प्रदेश वस्त्र उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है और कुल वस्त्र उत्पादन में उसकी 13 से 14 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पिछले छह वर्षों में प्रदेश के वस्त्र, परिधान और हस्तशिल्प निर्यात में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश वस्त्र उद्योग के क्षेत्र में देश का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक राज्य बन गया है।

प्रदेश के 17 टेक्सटाइल उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है।टेक्सटाइल उद्योग अब धागे, कपड़े से आगे निकलकर डिफेंस, हेल्थकेयर, कृषि और स्पोर्ट्स जैसे क्षेत्रों में टेक्निकल टेक्सटाइल के रूप में उभर रहा है। पीएम मित्र पार्क और संत कबीर टेक्सटाइल पार्क प्रदेश में टेक्निकल टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देंगे। सीतापुर, मऊ, कानपुर, झांसी और रायबरेली में टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क के लिए भूमि चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। नोएडा को अपैरल सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। वस्त्र उद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि सरकार की नीतियों से प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ उद्योगों को भी नई गति मिली है। कान्क्लेव के पहले दिन मुख्यमंत्री ने 42 प्रमुख टेक्सटाइल उद्यमियों से इस उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए सुझाव भी लिए।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में यूपी टेक्सटाइल कांक्लेव-2026 में मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी में निवेश के लिए एमओयू का अदान-प्रदान हुआ। साथ में खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ● सूचना विभाग

- 'यूपी टेक मित्र पोर्टल' व 'हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना' का शुभारंभ
- टेक्सटाइल के क्षेत्र में 5,196 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के एमओयू

अराजकता का शिकार बनीं कानपुर की कपड़ा मिलें

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानपुर की कपड़ा मिलें अराजक व्यवस्था की शिकार बनी थीं। मगहर की कताई मिल 1977 में बनी और 1997 में बंद हो गई। सरकारी योजनाओं का लाभ न तो नागरिकों तक पहुंचता था और न ही उद्यमियों तक। आज प्रदेश के पास 36 सेक्टोरल पालिसी हैं। देश के 55 प्रतिशत मोबाइल फोन और 60 प्रतिशत इलेक्ट्रानिक कंपोनेंट का उत्पादन यूपी में हो रहा है। रक्षा औद्योगिक गलियारे के छह नोड में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।

निवेशकों ने कहा, यूपी में दिख रहा है बदलाव

कार्यक्रम में रामकी समूह के संस्थापक अध्यक्ष अल्ला अयोध्या रामी रेड्डी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सुरक्षा का वातावरण निवेशकों में भरोसा पैदा कर रहा है। उद्योगपति वहीं पर निवेश करते हैं, जहां पर उन्हें सुरक्षित माहौल मिले। कन्फेडरेशन आफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री (सीआइटीआइ) के उपाध्यक्ष अश्विन चंद्रन ने कहा कि भारतीय वस्त्र उद्योग बदलाव के दौर में प्रवेश कर रहा है। शटललेस लूम्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक केतन सांघवी, बरेली के राम कुमार एग्रो के राहुल अग्रवाल व गाजियाबाद की एफको एक्सपोर्ट्स की आरुषि सिंघल ने कहा कि यूपी में बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।